न्यूज डायरी

रूस ने चुराया कोविशील्ड का ब्लूप्रिंट फिर बनाई स्पुतनिक वी वैक्सीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ऑक्सफर्ड की कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड को लेकर ब्रिटेन ने सनसनीखेज दावा किया है। ब्रिटेन के सुरक्षा सूत्रों ने कहा है कि रूस ने ऑक्सफर्ड एस्ट्राजेनेका की कोविशील्ड वैक्सीन का ब्लूप्रिंट चुराया और इसके बाद अपनी स्पुतनिक कोरोना वैक्सीन का निर्माण किया। यही नहीं एक रूसी एजेंट वैक्सीन के विकास के दौरान मौजूद था। उसी ने ऑक्सफर्ड की वैक्सीन का डिजाइन रूस को दे दिया। सूत्रों ने कथित रूप से मंत्रियों को बताया कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि रूस के लिए काम करने वाले जासूसों ने एस्ट्राजेनेका कंपनी से यह कोविशील्ड का डिजाइन चुराया ताकि अपनी स्पुतनिक वैक्सीन को बनाया जा सके। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक एक विदेशी एजेंट ने कोविशील्ड का ब्लूप्रिंट और जरूरी सूचना चुरा लिया।

13वें दौर की सैन्य बातचीत के बाद चीन ने भारत पर ही मढ़ दिए आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। पूर्वी लद्दाख में जारी तनाव के बीच भारत ने रविवार को चीन के साथ 13वें दौर की सैन्य वार्ता की। करीब साढ़े 8 घंटे चली इस बातचीत में पूर्वी लद्दाख में टकराव के बाकी बिंदुओं से सैनिकों की जल्द वापसी पर जोर दिया गया। हालांकि चीन ने अपनी सरकारी मीडिया के जरिए उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाला काम किया है। चीनी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने पीएलए के वेस्टर्न थिएटर कमांड के हवाले से कहा कि भारत अनुचित मांगों के जरिए बातचीत में मुश्किलें खड़ी कर रहा है। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने पीएलए के वेस्टर्न थिएटर कमांड के हवाले से सोमवार की सुबह किए एक ट्वीट में कहा– श्चीन और भारत के बीच रविवार को 13वें दौर की कोर कमांडर स्तर की बातचीत हुई। भारत अनुचित और अवास्तविक मांगों पर जोर दे रहा है, जिससे बातचीत में मुश्किलें आ रही हैं। पीएलए के वेस्टर्न थिएटर कमांड के हवाले से आगे कहा गया, चीन को उम्मीद है कि भारतीय पक्ष स्थिति का गलत आकलन नहीं करेगा।

विश्व खाद्य दिवस से पहले FAO ने इरिना समेत 17 को चुना फूड हीरो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। जार्जिया की इरिना वासीलिएवा को संयुक्त राष्ट्र की खाद्य और कृषि एजेंसी (एफएओ) ने 17 खाद्य नायकों में से एक के रूप में चुना है। संगठन की तरफ से इन लोगों को अपने समुदायों और अन्य लोगों को भोजन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के लिये मान्यता दी है। इरिना और दूसरे नायक छोटे छोटे बदलाव के जरिए बड़ा काम कर रहे हैं। 16 अक्टूबर को होने वाले विश्व्व खाद्य दिवस से पहले इरिना संयुक्त राष्ट्र से बातचीत की। उन्होंने बताया कि वो पश्चिमी जॉर्जिया में बगदाती के वर्तसिखे गांव में रहती हैं। उनका परिवार सदियों से यहां पर खेती करता रहा है। उनके पति और उनके बच्चे भी इस काम में उनकी मदद करते हैं। ये उनकी आजीविका का प्रमुख साधान भी है। उन्होंने इस बातचीत के दौरान उन परेशानियों का भी जिक्र किया जो महामारी के चलते देखने को मिलीं।

प्राकृतिक आपदाओं के आगे चीन हुआ पस्त, इस साल 792 लोगों की गई जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में इस साल में अब तक प्राकृतिक आपदाओं के कारण करीब आठ सौ लोगों की या तो मृत्यु हो गई या फिर लापता हो गए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने चीनी अधिकारियों के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि इस साल में अब तक प्राकृतिक आपदाओं के कारण कम से कम 792 लोग या तो अपनी जान गंवा चुके हैं या फिर वो इन आपदाओं में वो लापता हो गए। इसके अलावा चीन की आर्थिक स्थिति को भी इससे नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, ठंड के मौसम, बर्फीले तूफान, रेत के तूफान, जंगल और घास के मैदान की आग और समुद्री आपदाओं के कारण देश में कुल नौ करोड़ 44 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, कम से कम 17 लाख घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि तकरीबन 10,583 हेक्टेयर फसल भी प्रभावित हुई है।

दो अब्दुल की कहानी, कलाम बने भारत के राष्ट्रपति, कादिर को पाकिस्तानी जेल

नियति

पाकिस्तान के परमाणु बम के जनक कुख्यात वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान का निधन हो गया है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान के इस्लामिक परमाणु बम के जनक कहे जाने वाले कुख्यात वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान का निधन हो गया है। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद दुनिया की तबाही का हथियार बनाने वाला यह परमाणु तस्कर उठ नहीं सका और अंततः इस्लामाबाद में उसकी मौत हो गई। यह कादिर की करनी का अंजाम ही था कि उसके जीवन के आखिरी 17 साल कैद में बीते और रिहाई की भीख मांगते हुए उसकी मौत हो गई। अब्दुल कादिर की तुलना पाकिस्तान में भारत के मिसाइल मैन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम से होती थी। दोनों ही वैज्ञानिकों ने दो पड़ोसी देशों और आपस में कट्टर दुश्मनों को परमाणु हथियारों से लैस किया लेकिन उनकी नियति एक–दूसरे से बिल्कुल उलट रही।

भारत को अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों और परमाणु बम की बेजोड़ ताकत से लैस करने वाले चाचा कलाम को देश का राष्ट्रपति बनाया गया। कार्यकाल के दौरान कलाम की सादगी दुनियाभर में मिसाल दी जाती थी। कलाम जनता के राष्ट्रपति साबित हुए और देशभर में उनकी लोकप्रियता रही। कलाम के निधन पर पूरा भारत रो पड़ा था। शायद यह कलाम की लोकप्रियता ही थी कि अब्दुल कादिर खान उनसे जलते थे। बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में पाकिस्तानी वैज्ञानिक ने कहा कि कलाम एक साधारण वैज्ञानिक थे। कादिर ने यह भी आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए कलाम को राष्ट्रपति बनाया।

पाक सेना ने कादिर खान को बनाया बलि का बकराः कलाम ने जहां मिसाइल और परमाणु बम से भारत का मान बढ़ाया, वहीं अब्दुल कादिर खान ने लीबिया और उत्तर कोरिया को परमाणु तकनीक बेचकर पाकिस्तान का नाम दुनिया की नजर में मिट्टी में मिला दिया। कादिर खान के इस पाप में तत्कालीन पाकिस्तानी सेना भी शामिल थी लेकिन उन्हें बलि का बकरा बनाया गया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक अब्दुल कादिर खान परमाणु तस्करी का खुलासा होने के बाद साल 2003 से ही नजरबंद कर दिए गए। इसके बाद अब्दुल कादिर खान ने कई बार लाहौर हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट से रिहाई की गुहार लगाई लेकिन उन्हें कहीं सुनवाई नहीं मिली।

यहां तक कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश होकर अपनी बात रखने की भी अनुमति नहीं दी गई। कादिर खान के घर के बाहर आईएसआई का कड़ा पहरा रहता था। उन्हें परिवार वालों को छोड़कर किसी से मिलने नहीं दिया जाता था। भारत के राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने भारत के ज्यादातर हिस्सों, यूरोप और अमेरिका की यात्रा की लेकिन अब्दुल कादिर खान आजीवन घर रूपी जेल में सड़ते रहे। पाकिस्तान को डर सता रहा था कि अगर अब्दुल कादिर खान को खुला छोड़ा गया तो आतंकियों के हाथ में परमाण तकनीक लग जाएगी। यही नहीं विदेशी खुफिया एजेंसियों के उन्हें पकड़ लेने का खतरा भी मंडरा रहा था।

आतंकी हमलों को लेकर यूएस यूके ने नागरिकों को किया अलर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को काबुल के होटलों में सुरक्षा खतरों को लेकर अलर्ट किया है। दोनों देशों ने अपने नागरिकों से काबुल के होटलों विशेष रूप से सेरेना होटल से दूर रहने को कहा है। इस सिलसिले में दोनों देशों की तरफ से अलर्ट जारी किया गया है और कहा है कि अगर कोई नागरिक सेरेना होटल में या इसके आस–पास है तो तुरंत इसे खाली कर दें।

अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने रविवार को एक सुरक्षा अलर्ट में कहा, श्सेरेना होटल में सुरक्षा खतरों के कारण हम अमेरिकी नागरिकों को होटल और आसपास के इलाकों की यात्रा करने से बचने की सलाह देते हैं। इसमें आगे कहा गया कि सभी अमेरिकी जो सेरेना होटल में या उसके पास हैं, उन्हें तुरंत यहां से चले जाना चाहिए।

इस बीच समाचार एजेंसी स्पुतनिक ने बताया कि ब्रिटिश सरकार ने भी अपने नागरिकों को बढ़ते खतरों के मद्देनजर होटलों में नहीं रहने की सलाह दी। ब्रिटिश सरकार द्वारा कहा गया, बढ़ते खतरों को देखते हुए ब्रिटिश नागरिकों को यहां होटलों में नहीं रहने की सलाह दी जाती है, विशेष रूप से काबुल के होटलों (जैसे सेरेना होटल) में।

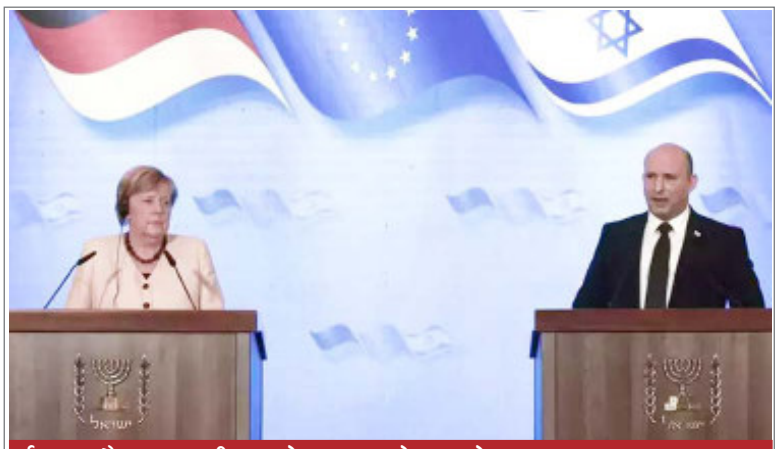

ईरान और फलस्तीन मुद्दे पर उभरे मतभेद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। अपने कार्यकाल की अंतिम आधिकारिक यात्रा पर रविवार को इजरायल पहुंची जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के साथ फलस्तीन के मुद्दे पर उलझ गईं। इजरायल पहुंचने पर मर्केल का गर्मजोशी से स्वागत भी किया गया, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम और फलस्तीनी राज्य के गठन के मुद्दे पर मतभेद भी उभर आए। मर्केल ने जहां फलस्तीनी राज्य की स्थापना पर जोर दिया, वहीं पीएम बेनेट ने उसी मंच से इसका विरोध किया। मर्केल ने कहा कि जर्मनी, ईरान के साथ हुए अंतरराष्ट्रीय परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने को लेकर प्रतिबद्ध है जिसका इजरायल ने विरोध किया।

परमाणु बॉम्बर भेज धमका रहा चीन, ताइवान के साथ खुलकर खड़ा हो भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर 10 अक्टूबर को देश की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने एक जोरदार, दृढ़ इरादों वाला और स्पष्ट भाषण दिया। इस भाषण में ताइवानी राष्ट्रपति ने चीन के साथ रिश्ष्तों पर अपने देश का मत रखा। साथ ही राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता कायम रखने के लिए चीन के साथ बातचीत की इच्छा जताई। इस बीच ताइवानी राष्ट्रपति ने यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट कर दिया कि ताइवान की संप्रभुता और स्वतंत्रता देश के नेतृत्व के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

ताइवानी राष्टपति ने कहा, इस

चीन की दादागिरी के खिलाफ साथ आने का आह्वान

बात का भ्रम नहीं होना चाहिए कि ताइवान की जनता दबाव के आगे झुकेगी। त्साई इंग वेन का इशारा चीनी सेना की ओर था जो लगातार ताइवान के दक्षिणी–पश्चिमी एयर डिफेंस आईडेंटिफिकेशन जोन में घुसपैठ कर रही है। गत 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर के बीच अब तक 150 चीनी फाइटर जेट ताइवान के ADIZ में घुसपैठ कर चुके हैं। चीनी सेना की ताइवान के प्रति दादागिरी घरेलू और विदेशी कारणों से है।

चीन ने अपना राष्ट्रीय दिवस एक अक्टूबर को मनाया था और इसी दौरान चीनी घुसपैठ काफी बढ़ गई। यह बताता है कि चीनी लड़ाकू विमानों की घुसपैठ अपनी जनता को दिखाने के लिए था। चीन अपनी जनता को यह दिखाना चाहता है कि चीनी नेतृत्व ताइवान को उसकी मुख्य भूमि से मिलाएगा और विदेशी ताकतें उसके आंतरिक मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती हैं। इसके साथ एक अन्य प्रमुख वजह दुनियाभर में ताइवान की बढ़ती लोकप्रियता है।

ताइवान में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के 1992 की सहमति को खारिज करने और ताइवान के भविष्य के लिए देश की जनता पर फोकस करने से चीन के साथ बातचीत ठप हो गई और बीजिंग तथा ताइपे के बीच तनाव बढ़ गया।

आखिर अंधेरे में क्यों डूबा चीन, यूरोप में क्यों हुई ऊर्जा की किल्लत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। करीब–करीब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। कोयले की कमी से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना एक बड़ी चुनौती बन गई है। सवाल यह है कि चीन व अन्य यूरोपीय देशों में ऊर्जा संकट क्यों गहराया। चीन में ऊर्जा संकट के लिए वह खुद से ही जिम्मेदार है। ऐसा नहीं कि चीन में कोयला का उत्पादन बंद हो गया है या चीन की खदानों में कोयला खत्म हो गया है। दरअसल, चीन अपनी ऊर्जा संयंत्रों के लिए आस्ट्रेलिया से बड़ी तादाद में कोयला लेता था, लेकिन आकस के गठन के बाद दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ी। आस्ट्रेलिया और अमेरिका की नजदीकी चीन को नागवार गुजरी। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने आस्ट्रेलिया से कोयले की आपूर्ति बंद कर दी। चीन सरकार ने यह फैसला अचानक से लिया और आस्ट्रेलिया से कोयले की आपूर्ति तत्काल बंद कर दी गई। इसका असर चीन में कोयले से चलने वाले संयंत्रों पर पड़ा। कोयला पर निर्भर चीनी संयंत्र बंद होने लगे। इसका सीधा असर ऊर्जा उत्पादन पर पड़ा।